web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 13 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 75

महत्वपूर्ण एवं खास

एनआईए ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामले में 5 राज्यों में छापा मारा

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बृहस्पतिवार को आतंकी संगठनो से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की. जांच एजेंसी पहले से दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की. एनआईए ने जम्मू-कश्मीर, असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और गुजरात में 19 स्थानों पर संदिग्धों के ठिकानों पर सुबह ही छापेमारी की. प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर यह कार्रवाई की गई. आरोप है कि देश में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आतंक फैलाने की साजिश में ये लोग शामिल थे. यह अभियान आतंकवादी दुष्प्रचार के प्रसार और चरमपंथी गतिविधियों का मुकाबला करने के प्रयासों पर केंद्रित बताया गया. यह कदम आतंकवाद निरोधी एजेंसी द्वारा पांच राज्यों में कई स्थानों पर तलाशी लेने और शेख सुल्तान सलाह उद्दीन अयूबी उर्फ अयूबी नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के दो महीने बाद उठाया गया है. असम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर राज्यों में 26 स्थानों पर तलाशी के बाद अयूबी को हिरासत में लिया गया. आरोपी को साजिश मामले में उसकी भूमिका के कारण गिरफ्तार किया गया. ऑपरेशन के बाद कई अन्य संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिए गए. तलाशी के दौरान एनआईए की टीमों ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पर्चे और पत्रिकाएं जब्त की. एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति से पूछताछ और संदिग्धों के खिलाफ सबूतों की जांच के बाद आज सुबह यह छापेमारी की गई.

150 फीट गहरे बोरवेल में फंसे 5 वर्षीय आर्यन की मौत, बचाने के प्रयास नाकाम

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान के दौसा जिले में 150 फीट गहरे बोरवेल में फंसे 5 वर्षीय आर्यन को बचाने के सभी प्रयास नाकाम हो गए। उसने बोरवेल में भी बुधवार रात को दम तोड़ दिया।आर्यन पिछले 57 घंटे यानी 2 दिन से अधिक समय तक बोरवेल में ही फंसा था। उसे पाइप के जरिए ऑक्सीजन दी जा रही थी।बुधवार रात 11:45 बजे उसे बेहोशी हालत में रस्सी के सहारे बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। आर्यन सोमवार 9 दिसंबर को घर के बाहर खेल रहा था, तभी 100 फीट दूर 150 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया। हादसे के समय आर्यन अपनी मां के साथ खेल रहा था।आर्यन की मां ने उसे पकडऩे की कोशिश की, लेकिन तब तक वह गड्ढे में गिर चुका था। बोरवेल परिवार का ही था, जो 3 साल पहले खोदा गया था। हालांकि, इसमें मोटर फंसने से यह चल नहीं रहा था।इसे बंद भी नहीं कराया गया था। आर्यन के गड्ढे में गिरने के 1 घंटे बाद उसे बचाने का अभियान शुरू हुआ। इस दौरान पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के जवान जुटे रहे।48 घंटे तक कोई सफलता नहीं मिली तो, बुधवार सुबह पाइलिंग मशीन से बोरवेल के बगल में 125 फीट गहरा गड्ढा किया गया। इस दौरान मशीन खराब हो गई और दूसरी मशीन आने में 3 से 4 घंटे का समय लगा।इस दौरान बचाव अभियान बाधित रहा। मशीन आने पर काम शुरू हुआ तो 150 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया, लेकिन उससे भी कोई फायदा नहीं हुआ। बच्चे पर कैमरे से नजर रखी जा रही थी।बच्चे के ऊपर मिट्टी गिर गई थी। वह भूखा-प्यासा भी था। तभी जिला कलेक्टर की अनुमति से बच्चे को हुक के जरिए ऊपर खींचा गया।बच्चे के ऊपर आते ही उसे लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ देर बाद ही बच्चे ने दम तोड़ दिया।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना के जवान ने सर्विस राइफल से गोली मारकर की आत्महत्या

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में तैनात एक सेना के जवान ने कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।सैनिक की पहचान हवलदार इंदेश कुमार के रूप में हुई है। वह मंजाकोट इलाके के अंजनवाली गांव में अपने कैंप में संतरी की ड्यूटी पर तैनात थे।इंदेश कुमार ने मंगलवार रात को खुद को गोली मारी है। आत्महत्या के कारण सामने नहीं आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इससे पहले उधमपुर जिले के रहमबल क्षेत्र में भी ऐसी घटना हुई थी, जिसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने अपने सहकर्मी को गोली मारकर खुद को भी गोली मार ली।

भारत की न्यूक्लियर पावर जनरेशन कैपेसिटी पिछले 10 वर्षों में हुई दोगुनी : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। आरएनएस

संसद को दी गई जानकारी के अनुसार, भारत की न्यूक्लियर पावर जनरेशन कैपेसिटी पिछले 10 वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है। यह कैपेसिटी 2014 में 4,780 मेगावाट थी, जो कि 2024 में 8,180 मेगावाट हो गई है।

केंद्रीय परमाणु ऊर्जा विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), जितेंद्र सिंह ने भारत के एटॉमिक एनर्जी कार्यक्रम की महत्वपूर्ण प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए, लोकसभा में जानकारी दी कि 2031-32 तक यह कैपेसिटी तीन गुना बढ़कर 22,480 मेगावाट हो जाने का अनुमान है।

उन्होंने प्रमुख विकासों पर विस्तार से बताया और न्यूक्लियर पावर जनरेशन में अधिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा तैयार की।

केंद्रीय मंत्री ने भारत के पावर डिस्ट्रीब्यूशन फ्रेमवर्क के संशोधन पर जोर दिया, जिसने एटॉमिक प्लांट से बिजली में गृह राज्य की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है, जिसमें 35 प्रतिशत पड़ोसी राज्यों को और 15 प्रतिशत राष्ट्रीय ग्रिड को आवंटित किया गया है। यह नया सूत्र संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करता है।

केंद्रीय मंत्री ने इस प्रगति का श्रेय कई परिवर्तनकारी पहलों को दिया, जिसमें 10 रिएक्टरों की थोक स्वीकृति, धन आवंटन में वृद्धि, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ सहयोग और सीमित निजी क्षेत्र की भागीदारी शामिल है।

उन्होंने भारत के न्यूक्लियर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए टेक्नोलॉजी में प्रगति और सुव्यवस्थित प्रशासनिक प्रक्रियाओं को श्रेय दिया। एनर्जी प्रोडक्शन के अलावा, जितेंद्र सिंह ने एटॉमिक एनर्जी के अलग-अलग एप्लीकेशन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृषि में इसके उपयोग के बारे में बताया, जिसमें 70 म्यूटाजेनिक फसल किस्मों का विकास शामिल है।

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में, भारत ने कैंसर के उपचार के लिए एडवांस आइसोटोप पेश किए हैं, जबकि रक्षा क्षेत्र में, लागत प्रभावी, हल्के बुलेटप्रूफ जैकेट विकसित करने के लिए एटॉमिक एनर्जी प्रक्रियाओं का उपयोग किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने भारत के प्रचुर थोरियम भंडार को भी रेखांकित किया, जो वैश्विक कुल का 21 प्रतिशत है।

इस संसाधन का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए भवानी जैसी स्वदेशी परियोजनाओं का विकास किया जा रहा है, जिससे आयातित यूरेनियम और अन्य सामग्रियों पर निर्भरता कम हो रही है। उन्होंने एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में चुनौतियों को स्वीकार किया, जैसे भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी और उपकरण खरीद, लेकिन इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नौ एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट्स निर्माणाधीन हैं, जबकि कई अन्य परियोजना-पूर्व चरण में हैं, जो न्यूक्लियर एनर्जी कैपेसिटी के विस्तार के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री ने कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट जैसी परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया, जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद गति पकड़ी।

उन्होंने होमी भाभा द्वारा परिकल्पित परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और एक राष्ट्र, एक सरकार के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाते हुए सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए न्यूक्लियर एनर्जी का लाभ उठाने पर जोर दिया।

इसरो को मिली बड़ी सफलता, सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का दिखेगा अब जलवा

❐ टेस्ट में हुआ पास

नईदिल्ली। आरएनएस

इसरो को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। बहुप्रतिक्षित रॉकेट इंजन सीई20 क्रायोजेनिक ने सफलतापूर्वक टेस्ट पास कर लिया है। अब जल्द ही इस इंजन से देश के भविष्य के मिशनों में महत्वपूर्ण योगदान लिया जाएगा। इसरो ने 29 नवंबर 2024 को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में 100 के नोजल क्षेत्र रेशियो वाले अपने सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का समुद्र तल पर हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस टेस्ट के दौरान इंजन रिस्टार्ट करने की क्षमता के लिए जरूरी मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर का प्रदर्शन भी किया गया।

समुद्र तल पर सीई20 इंजन का टेस्ट करना काफी चुनौतियों भरा रहता है, मुख्य रूप से हाई प्रेशर रेशियो नोजल के कारण जिसमें लगभग 50 का एग्जिट प्रेशर होता है। समुद्र तल पर टेस्ट के दौरान बड़ी चिंता नोजल के अंदर बह रही पृथक्करण है, जो प्रवाह पृथक्करण तल पर गंभीर कंपन और थर्मल प्रॉब्लम्स की ओर ले जाता है जिससे नोजल को संभावित मैकेनिकल नुकसान हो सकता है। इस समस्या को कम करने के लिए, सीई20 इंजन के लिए फ्लाइट टेस्ट वर्तमान में हाई-एल्टिट्यूड टेस्ट सुविधा में किए जा रहे हैं, जिससे एक्सेटेंस टेस्टिंग प्रक्रिया में कठिनाईयां बढ़ जाती है।

राष्ट्रपति ने नेपाल के सेनाध्यक्ष को भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक से किया सम्मानित

नई दिल्ली। आरएनएस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नेपाल के सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल को भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष अलंकरण समारोह में नेपाली सेना के सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल को उनकी सराहनीय सैन्य शक्ति, भारत के साथ नेपाल के दीर्घकालिक तथा मैत्रीपूर्ण संबंधों को और बढ़ावा देने में उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की।

बता दें कि नेपाल के सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल 11 से 14 दिसंबर तक भारत की यात्रा पर हैं। सिगडेल की यात्रा का उद्देश्य भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग सुदृढ़ करना तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करना है। नेपाल के सेना प्रमुख ने बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की थी और साउथ ब्लॉक लॉन में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था।

जनरल अशोक राज सिगडेल ने बुधवार को नई दिल्ली में भारतीय सेना के सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के साथ गहन बातचीत की थी। इस बातचीत के दौरान दोनों सेनाध्यक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की थी।

नेपाली सेना के सेनाध्यक्ष ने एनएसए अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से भी मुलाकात की थी। इन बैठकों ने व्यापक रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान, आपसी हितों के मामलों पर ध्यान केंद्रित करने और दोस्ती को और मजबूत करने का अवसर प्रदान किया था।

पत्नी को गुजारा भत्ता देना पति के लिए सजा नहीं होना चाहिए, सर्वोच्च अदालत का बड़ा फैसला

नईदिल्ली। आरएनएस

एआई इंजीनियर अतुल सुभाष के आत्महत्या का मामला इन दिनों सुर्खियों में है. अतुल के सुसाइड के कारण कानून प्रक्रियाओं और न्यायालयों पर भी सवाल उठने लगे हैं. इन सबके बीच सुप्रीम कोर्ट ने फिर से दोहराया कि वैवाहिक विवाद में पति द्वारा पत्नी को दिए जाने वाला गुजारा भत्ता पति के लिए सजा जैसा नहीं होना चाहिए. अदालतों को ध्यान देना होगा कि पत्नी सही ढंग से जीवन जी सकें लेकिन पति की आर्थिक स्थिति सहित अन्य बातों को भी ध्यान में रखना होगा.

जस्टिस विक्रम नाथ और प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने अपने फैसले में देश की सभी अदालतों को सलाह दी कि वे 2020 में आए 'रजनेश बनाम नेहा' फैसले के अनुसार ही काम करें. रजनेश बनाम नेहा केस में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस इंदु मल्होत्रा और सुभाष रेड्डी की बेंच ने गुजारा भत्ता देने के निर्देश देते वक्त आठ बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए कहा था. सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर अपने नए फैसले में उन निर्देशों को शामिल किया है.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गुजारा भत्ता तय करते वक्त कोर्ट को पहले इन आठ बिंदुओं पर विचार जरुर करना चाहिएज्

1.पति और पत्नी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति कैसे है

2.पत्नी और बच्चों के भविष्य की जुड़ी बुनियादी जरूरतें

3.पति-पत्नी की शैक्षणिक योग्यता और रोजगार क्या है

4.दोनों के आय के साधन और संपत्ति कितनी है

5.ससुराल में रहते वक्त पत्नी का जीवन स्तर कैसा था

6.क्या पत्नी ने परिवार का ध्यान रखने के लिए नौकरी छोड़ी थी

7.पत्नी की अगर कोई कमाई नहीं है तो कानूनी लड़ाई लडऩे के लिए उसका उचित खर्च कौन देगा

8.गुजारा भत्ता से पति की आर्थिक स्थिति, आमदनी और दूसरी जिम्मेदारियों पर पडऩे वाला असर क्या होगा

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि गुजारा भत्ता का फैसला सुनाते हुए इन आठ बातों का ध्यान देना चाहिए. लेकिन ये कोई स्थायी फॉर्मूला नहीं है. केस के तथ्यों के आधार पर कोर्ट आदेश दे सकते हैं. सर्वोच्च अदालत ने कहा कि गुजारे भत्ता का प्रावधान पत्नी और बच्चों की उचित जरुरतों को पूरा करने के लिए होता है. गुजारा भत्ता पति को सजा देने के लिए हरगिज नहीं है.

रेप के आरोपी ने जमानत से बाहर आकर की पीड़िता की हत्या

❐ अलग-अलग जगहों पर फेंके शव के टुकड़े

झारसुगुड़ा। आरएनएस

ओडिशा में एक शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. नाबालिग लडक़ी से रेप मामले के आरोपी जमानत पर जेल से बाहर आया और कथित तौर पर पीड़िता की हत्या कर दी. उसके बाद उसने शव के पहले कई टुकड़े किए और फिर उन टुकडों को अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया. इस बात की जानकारी पुलिस ने दी. पुलिस ने बताया कि पिछले साल अगस्त में रेप के आरोपी कुनु किशन को सुंदरगढ़ जिले में नाबालिग से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया था.

पीड़िता ने धारुआडीह पुलिस स्टेशन में रेप का केस दर्ज कराया था. वहीं, पिछले साल दिसंबर में आरोपी जेल से रिहा हुआ. झारसुगुड़ा के एसपी परमार स्मित पुरुषोत्तमदास ने जानकारी दी कि इस महीने की 7 तारीख को पीड़िता के परिजनों ने उसके लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई. जांच की गई तो सीसीटीवी में पाया गया कि वह दो व्यक्तियों के साथ एक बाइक पर जा रही है. बाइक पर सवार दोनों लडक़ों ने हेलमेट पहना हुआ था इस वजह से उनके चेहरे दिखाई नहीं दिए.

हालांकि पीड़िता सुंदरगढ़ जिले की मूल निवासी थी, लेकिन वह अपनी रिश्तेदार के घर झारसुगुड़ा शहर में रह रही थी. एसपी ने यह भी बताया कि एआई तकनीक के जरिए हमने सुंदरगढ़ में आरोपी का पता लगाया. पूछताछ के दौरान, आरोपी ने बताया कि उसने लडक़ी की हत्या की थी और उसके शरीर के अंगों को दो अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया था. उन्होंने कहा कि आरोपी ने पहले राउरकेला और देवगढ़ को जोडऩे वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 143 के किनारे एक धारदार चाकू से पीड़िता का गला काटा और उसके शरीर के अंगों को ब्राह्मणी नदी के तारकेरा नाली और बालूघाट में फेंक दिया.

पुलिस ने ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल की मदद से शरीर के अंगों का पता लगाने के लिए ब्राह्मणी नदी पर तलाशी अभियान चलाया. एसपी ने कहा कि घंटों चले तलाशी अभियान के बाद लडक़ी के सिर सहित शरीर के अंग बरामद किए गए.

पुलिस ने आरोपी और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है. एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह पिछले साल दिसंबर में जमानत पर जेल से रिहा होने के बाद से ही लडक़ी की हत्या की योजना बना रहा था ताकि वह अदालत के सामने अपना बयान न दे सके. अधिकारी ने कहा कि उसे डर था कि अगर पीड़िता ने अदालत के सामने बयान दिया तो उसे मामले में दोषी ठहराया जा सकता है और इसलिए उसने योजना को अंजाम देने के लिए अपनी मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन बदल दिया था. सूत्रों ने बताया कि आरोपी और पीड़िता एक-दूसरे को लंबे समय से जानते थे.

एक देश एक चुनाव को केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी, इस हफ्ते संसद में पेश होगा

नईदिल्ली। आरएनएस

एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में गुरुवार को मंजूरी दे दी गई है।अब सरकार की ओर से इस प्रस्ताव को संसद में रखा जाएगा। संभावना है कि इसे 20 दिसंबर से पहले इसी हफ्ते संसद के शीतकालीन सत्र में ही पेश किया जाएगा।बता दें कि संसद का मौजूदा शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को ही समाप्त हो रहा है।

एक देश एक चुनाव को केंद्र सरकार जल्द से जल्द संसद में पेश कर चर्चा कराना चाहती है। इससे पहले वह सभी राजनीतिक दलों की पूर्ण सहमति चाहती है, जिसके लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाएगा। जेपीसी में पूर्ण रूप से सहमति मिलने के बाद इसे राज्यों की विधानसभाओं से भी पास कराना होगा, जिसके लिए 50 प्रतिशत राज्यों का समर्थन चाहिए होगा।अडाणी और मणिपुर मामले पर हंगामे के बीच सरकार इसे पेश कर सकती है।

एक देश एक चुनाव के लिए संविधान में संशोधन होना है, उसमें अनुच्छेद 327 में संशोधन कर एक देश एक चुनाव को शामिल किया जाएगा, ऐसे में बिल को राज्यों से पास करवाना भी बहुत आवश्यक है।केंद्र सरकार इसके लिए सभी राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों को बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए कहेगी।आम जनता से भी सुझाव मांगे जाएंगे। विधेयक से फायदे-नुकसान पर चर्चा होगी। एक देश एक चुनाव के अंतर्गत विधानसभा-लोकसभा चुनाव एक साथ होंगे। इसके तहत चुनाव 2 चरणों में करवाए जा सकते हैं।अगर राज्य सरकार बीच में गिरती है तो दूसरी बार में अन्य राज्यों के साथ उस राज्य के दोबारा चुनाव हो सकेंगे। देश में 2029 में एक साथ चुनाव हो सकते हैं।पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अगुवाई में समिति ने 18,626 पन्नों की रिपोर्ट 191 दिन में तैयार कर मार्च 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा था।

पीएम मोदी से पहले सीएम योगी ने लिया महाकुंभ की तैयारियों का जायजा

❐ कहा-ऑल ओके

महाकुंभनगर। आरएनएस

महाकुंभ 2025 के लिए हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने शुक्रवार को प्रयागराज आ रहे पीएम मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को सीएम योगी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने महाकुंभनगर में चल रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान वह संगम नोज भी पहुंचे, जहां पीएम मोदी शुक्रवार को पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां पीएम मोदी के भ्रमण की पूरी रूपरेखा को समझा और बिना बाधा कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किए। यही नहीं, सीएम योगी ने मेला क्षेत्र में अस्थायी अस्पताल, अक्षय वट, सरस्वती कूप, लेटे हनुमान मंदिर पहुंचकर वहां भी तैयारियों का जायजा लिया। लेटे हनुमान मंदिर में सीएम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन व दर्शन भी किया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पीएम मोदी प्रयागराज में उपस्थित रहेंगे और संगम नोज पर गंगा आरती व पूजन के साथ ही वह यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

सीएम योगी सबसे पहले सेक्टर वन परेड में बनाए गए 100 बेड के अस्थायी अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। महाकुंभ 2025 को देखते हुए चिकित्सा परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इस अस्थायी अस्पताल का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने यहां इमरजेंसी वार्ड, इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू), ओपीडी के साथ ही वेटिंग एरिया, मुख्य वार्ड, फीमेल वार्ड, चिल्ड्रेन वार्ड और ऑपरेशन थिएटर का गहन निरीक्षण किया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। आईसीयू में एआई कैमरों के इस्तेमाल के साथ ही हाईटेक एआई मैसेजिंग फ्लो सिस्टम के बारे में उन्हें पूरे विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही, अस्पताल में स्थापित लैबोरेट्री के विषय में भी बताया गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। केंद्रीय अस्थायी अस्पताल के माध्यम से उन्हें हर संभव मदद मिलनी चाहिए। चिकित्सकों के साथ ही स्टाफ और दवाइयों की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अस्पताल में वेंटिलेशन के बेहतर इंतजाम किए जाने के भी निर्देश दिए। मालूम हो कि महाकुंभ के लिए बनाए गए इस अस्थायी अस्पताल में कुल 100 बेड हैं, जिसमें 10 बेड का आईसीयू भी सम्मिलित है। इसमें कुल 381 डॉक्टर्स को तैनात किया गया है, जिसमें फिजिशियन, सर्जन, गायनेकोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिक्स समेत अन्य शामिल हैं। 10 बेड के आईसीयू को कैंट बोर्ड संचालित करेगा, जिसमें मेदांता के डॉक्टरों का भी सहयोग रहेगा।

अस्पताल से सीएम सीधा किला घाट पहुंचे जहां उन्होंने नवनिर्मित जेटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को घाट पर श्रद्धालुओं के स्नान व अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। यहां से सीएम संगम नोज पहुंचे, जहां शुक्रवार को पीएम मोदी पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां स्थलीय निरीक्षण किया। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने उन्हें पीएम मोदी के क्रूज से भ्रमण को लेकर सभी तैयारियों के विषय में विस्तृत से जानकारी दी। सीएम ने सभी व्यवस्थाओं को देखा और सभी पैरामीटर का ध्यान रखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। वह काफी देर यहां रुके और गंगा की निर्मल धारा को निखारते रहे।

यहां से सीएम योगी ने प्रयाग किले के अंदर स्थित अक्षय वट कॉरिडोर का स्थलीय निरीक्षण किया। सीएम ई कार्ट से अक्षय वट कॉरिडोर पहुंचे। यहां स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे कार्यों को उन्होंने देखा और अक्षय वट के विषय में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने दर्शन कर पूजा अर्चना की। सीएम ने यहां चल रहे सौंदर्यीकरण खासकर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप प्रतिमा को सराहा और फोटो शूट भी कराया। सप्तऋतियों की कलाकृतियों को देखकर भी वह भाव विभोर हो गए। यहां आर्मी के अधिकारियों ने उन्हें अक्षय वट की तस्वीर भी भेंट की।